M.B.S.P. Mandal's

Arts and Commerce College, Mayani

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

Examination Result 2019-20

Sr. No.	Name of the Student	Seat No.	Exam Marks	Project Marks	Oral Marks	Total	Grade
1	Bandgar Komal Bharat	1	31	17	16	64	A
2	Bandgar Nilam Sarjerao	2	32	17	16	65	A
3	Barkade Chhaya Ananda	3	32	17	15	64	A
4	Bhadule Tejas Mohan	4	30	15	16	61	A
5	Budhavale Rupali Balu	5	33	17	16	66	A
6	Dabade Chhaya Suryakant	6	35	17	16	68	A
7	Gaikwad Shivani Abaso	7	34	16	16	66	A
8	Jadhav Ashwini Bhanudas	8	30	16	15	61	A
9	Mane Manoj Ashok	9	28	16	15	59	B+
10	Pawar Pooja Bhausaheb	10	35	17	16	68	A
11	Pisal Komal Sanjay	11	30	17	15	62	A
12	Pundekar Sandip Pralhad	12	29	16	15	60	A
13	Shaikh Arbaj Kadar	13	28	15	15	58	B+
14	Bhise Rupali Kailas	14	29	15	14	58	B+
15	Bodare Nagesh Balu	15	30	16	15	61	A
16	Dabade Sujata Kisan	16	32	16	15	63	A
17	Dagade Minakshi Vijay	17	30	15	15	60	A
18	Inamdar Rajashri Hanmant	18	29	15	15	59	A

M.B.S.P. Mandal's

Arts and Commerce College, Mayani

Tal-Khatav, Dist- Satara.

DEPARTMENT OF HINDI

"हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम"

दिनांक : २४/०२/२०२०　　परीक्षा २०१९-२०　　कुल अंक : ६०

समय : ११ से ०२

प्रश्न – १. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए विकल्पों मे से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

१. न्यायदर्शन के अनुसार अनुवाद (पुनरुक्ति/वक्रोक्ति/स्वभावोक्ती/प्रतीकोक्ति) है।
२. अनुवावद शब्द का शाब्दिक अर्थ (पाठकथवन/पुन:कथन/संवाद कथन /सामुग्री कथन) है।
३. अनुवाद की मराठभ् में (भाषांतर/रुपांतर/रुपांतर/भावांतर/हस्तांतर) कहते है।
४. काव्य रचना का अनुवाद (कथानुवाद/नाट्यनुवाद/काव्यानुवाद/विधि अनुवाद) कहलाता है।
५. सुल् साहित्यिक अनुवाद को (सर्जन/पुन:सृजन/कथन/सृजन) भी कहा जाता है।
६. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद (विशेपज्ञों/साहित्यिकों/विद्वानों/व्यापारियों) का क्षेत्र है।
७. कोश का मूल अर्थ (समुदाय/संग्रह/समूह/समाज) है।
८. आज का युग (वैश्विकरण/प्राद्यागीकरण/संहारीकरण/विक्रमीकरण) का है।
९. शब्द का यथोचित (गहत्व/पर्याय/संग्रह/मतितार्थ) जानने के लिए पर्यायवाची शब्दकोश उपयुक्त होता है।
१०. विश्वकोश को (ज्ञानकोश/शब्दकोश/पर्यायी कोश/तकनीकी कोश) भी कहा जाता है।

प्रश्न २. किन्ही दो मराठी परिच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

अ) जनसेवा हीच ईश्वर सेवा असे म्हणतात, सेवा अनेक मार्गांनी करता येते. कुणासाठी शारीरिक कष्ट करुन तर कुणासाठी पैशाची झीज सोसून ही अशी सेवा करता येते. कुणी दु:खी असेल तर आपल्या गोड स्वभावाने त्याच्या दु:खी मनावर फुंकर घालून ते कमी करण्याचा प्रयत्न करणे ही सुध्दा एक प्राकरची सेवाच आहे. अशा सेवेची फळे शेवटी चांगलीच मिळतात. त्यातूनच परमेश्वराचे दर्शन घडते.

आ) परमेश्वर प्रत्यक्ष स्वरुपात दिसत नाही. तो अमूर्त आहे. दुसऱ्याच्या सुखासाठी चांगले काम केले की कळत न कळत आपल्या मनाला सात्विक समाधान मिळते, आणि समाधान हाच